गूगल ऑफिस की तर्ज़ पर लघु सचिवालय में विशेष कक्ष

चर्चा में क्यों?

18 फरवरी, 2022 को हिसार की उपायुक्त डॉ. प्रियंका सोनी ने लघु सचिवालय परिसर में गूगल ऑफिस की तर्ज़ पर बने मातृत्व कक्ष का शुभारंभ किया।

प्रमुख बिंदु

- उपायुक्त डॉ. प्रियंका सोनी ने बताया बड़ी प्राइवेट कंपनियों में काम करने वाली महिला कर्मचारियों के नवजात बच्चों के लिये एक अलग स्थान होता है। गूगल जैसी कंपनियों में महिला कर्मचारी अपने बच्चों को वहाँ छोड़ सकती हैं। कुछ इसी तर्ज़ पर यह मातृत्व कक्ष बनाया गया है।
- सचिवालय परिसर में ऐसी माताएँ, जो अपने नवजात बच्चों के साथ आती हैं, एकांत न मिलने के कारण अपने बच्चों को ब्रेस्टफीडिंग नहीं करा पातीं। इस कारण से बच्चे भूख से रोने लगते हैं। सार्वजनिक स्थानों पर ब्रेस्टफीडिंग में महिलाएँ असहज महसूस करती हैं, ऐसे स्थलों पर महिलाएँ बच्चों के डायपर भी नहीं बदल पातीं।
- उपरोक्त समस्याओं को महसूस करते हुए उन्होंने महिला एवं बाल विकास विभाग के माध्यम से लघु सचिवालय के ग्राउंड फ्लोर पर मातृत्व कक्ष स्थापित करने के निर्देश दिये।
- मातृत्व कक्ष स्थापित करने का उद्देश्य ऐसी माताओं को एकांत स्थान उपलब्ध करवाना है, जहाँ वे अपने बच्चे को ब्रेस्टफीडिंग करा सकें। कार्यों में लगने वाले समय के दौरान वे यहाँ आराम से बैठ भी सकेंगी।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/special-room-in-mini-secretariat-on-the-lines-of-google-office